

प्रेषक,

कुँवर सिंह
अपर साचिव
उत्तरांचल शासन

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तरांचल पेयजल निगम,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 30 जून, 2005

विषय वित्तीय वर्ष 2005-06 में गंगा कार्ययोजना के अन्तर्गत परिसम्पत्तियों के रखरखाव हेतु धनावंटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्रांक 2024/धनावंटन प्रस्ताव/दिनांक-06-05-2005 के सन्दर्भ में गुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2005-06 में गंगा कार्ययोजना के अन्तर्गत परिसम्पत्तियों के रखरखाव हेतु राज्य सैक्टर के अन्तर्गत प्राविधानित रू० 500.00 लाख में से रू० 125.00 लाख (रू० एक करोड़ पच्चीस लाख मात्र) की धनराशि व्यय किये जाने हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। उक्त धनराशि का व्यय इस हेतु भारत सरकार व राज्य सरकार के मानकों के अनुरूप ही किया जायेगा।

2- उपर्युक्त स्वीकृत अनुदान की धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके आवश्यकतानुसार ही पूर्व स्वीकृत समस्त धनराशि का उपयोग करके ही आहरित की जायेगी, आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर्स की संख्या व दिनांक की सूचना शासन को एक साप्ताह के भीतर उपलब्ध करायी जायेगी।

3- उक्त स्वीकृत से व्यय की गई धनराशि का विस्तृत ब्यौरा तथा मासिक व त्रैमासिक वित्तीय/भौतिक प्रगति यथासमय शासन को उपलब्ध करायेगे एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र पूर्ण व्यय विवरण सहित शासन तथा महालेखकार, उत्तरांचल को चालू वित्तीय वर्ष की प्रथम छमाही समाप्ति के उपरान्त तत्काल उपलब्ध करा दिया जायेगा।

4- गंगा कार्ययोजना के अन्तर्गत किये गये व्यय से सृजित परिसम्पत्तियों के रख-रखाव का राज्य सरकार की वचनबद्धता की सीमा तक धनराशि व्यय की जा सकेगी और इसके अभिलेखों का रखरखाव योजनावार अलग-अलग किया जायेगा।

5- स्वीकृत धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों के सापेक्ष उत्तर प्रदेश शासन के

वित्त विभाग के शारानादेस संख्या ए-2-87(1)दस-97-17(4)75 दिनांक 27.02.1997 के अनुसार सेन्टेज व्यय किया जायेगा तथा कार्यों की कुल लागत के सापेक्ष पूर्व में व्यय की गई धनराशि सहित सेन्टेज चार्ज 12.50 प्रतिशत से अधिक अनुमन्य नहीं होगा। इसे कृपया कड़ाई से सुनिश्चित कर लिया जाय।

6- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मेनुअल, फाईनेन्शियल हैण्डबुक नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हों तो उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय, निर्माण एवं रखरखाव कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम अधिकारी की टैक्निकल स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

7- उक्त स्वीकृत धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों का विस्तृत विवरण एक सप्ताह के भीतर शासन को अवश्य उपलब्ध कराया जाय।

8- स्वीकृत की जा रही धनराशि का 30.12.2005 तक उपयोग करके वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा, जो धनराशि दिनांक 31.03.2006 तक अप्रयुक्त रहती है उसे शासन को समर्पित कर दी जायेगी।

9- उक्त व्यय वर्तमान चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के अन्तर्गत अनुदान संख्या -13 के लेखाशीर्षक 2215-जलापूर्ति तथा सफाई-02-मल निकासी एवं सफाई-आयोजनागत-106-वायु एवं जल प्रदूषण का निवारण-03-गंगा कार्यकारी योजना के अन्तर्गत रखरखाव हेतु जल निगम को अनुदान (फेज-1 एवं II)-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

10- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं० 696/वित्त अनु०-3/2005 दिनांक 25 जून, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय
/
(कुँवर सिंह)
अपर राचिव

संख्या:- 266 (1)/उन्तीस (2)/05/02-(52पे0)/2002, तद दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-महालेखाकार,, उत्तरांचल देहरादून ।
- 2-आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
- 3-जिलाधिकारी, देहरादून/ हरिद्वार
- 4-कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5-परियोजना प्रबन्धक, गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई,उत्तरांचल पेयजल निगम
हरिद्वार
- 6-श्री एम0एल0पन्त,अपर सचिव, वित्त बजट अनुभाग।
- 7-वित्त अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग/बजट सेल।।
- 8-निजी सचिव मा0 मुख्य मंत्री जी उत्तरांचल शासन को मुख्यमंत्री जी के
संज्ञानार्थ।
- 9-निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- 10-निदेशक,एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा रो

(सुनीलश्री पांथरी)
अनु सचिव